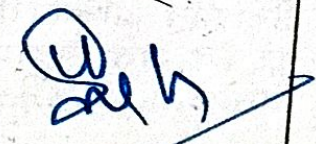


प १  
२५

पत्रावली पेश हुई व की ल प्राची ३७७  
व की ल प्राची का अप्रार्थिगण की  
नामिल पेश करे हेतु पत्र लि  
अवसर दिया जा चुका है, लेकिन  
पत्र लि अवसर दिए जाने से बावजूद  
भी हाल दिनांक तक नामिल की शर्त  
पेश नहीं की। अतः प्राची का अपेक्ष  
अन्वयि को २३२ राज. अन्व. अर्थ.  
आदेश अन्वयि ७ क्रिय ५ के अन्व  
बादल किया जाना है। पत्रावली के लल  
आमर होकर अन्व ले कम होकर होकिल  
होकर हो।



उपखण्ड अधिकारी, दांताशमगढ